केतु के प्रभाव सभी योजनाओं के साथ मिलकर क्या प्रभाव देता है। आइए जानते हैं।

1– सूर्य जब केतु के साथ होता है तो जातक के कब्ज़े, पिता की सेहत, मान–प्रतिफल, आयु, सुख आदि पर बुरी स्थिति होती है।

2– चंद्र यदि केतु के साथ हो और उस पर किसी अन्य शुभ ग्रह की दृष्टि न हो तो व्यक्ति मानसिक रोग, वातरोग, पागलपन आदि का शिकार होता है।

3– मंगल केतु के साथ हो तो जातक को हिंसक बना देता है। इस योग से शिशु जातक अपने स्वभाव पर नियंत्रण नहीं रख पाते हैं और कभी–कभी तो कातिल भी बन जाते हैं।

3– बुध केतु के साथ हो तो व्यक्ति लाइलाज बीमारी से ग्रस्त होता है। यह योग उसे पागल, चर्म रोग, सनकी, चालाक, कपटी बना देता है। वह धर्म विरुद्ध आचरण करता है।

4– गुरु केतु के साथ हो तो गुरु के सात्विक गुणों को समाप्त कर देता है और जातक को परंपराओं का विरोधी बनाता है। यह योग यदि किसी शुभ भाव में हो तो जातक ज्योतिष शास्त्र में रुचि रखता है।

5– शुक्र केतु के साथ हो तो जातक दूसरों की स्त्रियों या पर पुरुष के प्रति आकर्षित होता है। वैभवता में कमी लाता है

6– शनि केतु के साथ हो तो आत्महत्या तक हो सकती है। ऐसा जातक आतंकवादी प्रवृति का होता है। अगर इस पर बृहस्पति की दृष्टि हो तो अच्छा योगी भी हो सकता है।

🌎केतु कब बुरे फल देता है 🌎

ससुराल बालो और भतीजे और भांजे का दिल दुखाने और उनका हक छीनने पर केतु अशुभ देता है। कुत्तों को मारने और किसी के द्वारा मरवाने पर, किसी भी मंदिर को तोड अथवो या ध्वजा नष्ट करने पर इसी के साथ ज्यादा कंजूसी करने पर केतु अशुभ फल देता है। किसी से धोखा करने और झूठी गवाही देने पर भी केतु अशुभ फल देते हैं।अतः मनुष्य को अपना जीवन व्यवस्थित तरीके से जीना पड़ता है। किसी को कष्ट या छल–कपट द्वारा धोखा नहीं देना चाहिए। किसी भी प्राणी को अपने अधीन नहीं समझना चाहिए जिससे योजनाओं के अशुभ कष्ट सहने पढते है।